Patrika (Indore), 12th June 2020, Page-6

एनआइआरएफ रैंकिंग : डेंटल में गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज को 22वीं रैंक

आईआईएम सातवें और आईआईटी 10वें पायदान पर, डीएवीवी रैंकिंग से हुई बाहर

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने गुरुवार को नेशनल इंस्टिट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की घोषणा की। इसमें शहर के आईआईटी, आईआईएम और गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज ही टॉप 100 में जगह बना सके। मैनेजमेंट कैटेगरी में आईआईएम को सातवां और इंजीनियरिंग कैटेगरी में आईआईटी को 10वां स्थान मिला। पहली बार देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी रैंकिंग से बाहर हो गई। गत वर्ष आईआईएम 5वें जबकि आईआईटी 13वें स्थान पर रहा था।

टीचिंग लर्निंग एंड रिसोर्सेस, रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिसेस, ग्रेजुएशन आउटकम, आउटरिच एंड इन्क्लुजिविटी और परसेप्शन आदि बिंदुओं पर शैक्षणिक संस्थानों की सालाना रैंकिंग की जाती है। इस साल रैंकिंग में देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी को झटका लगा है। 2019 में 151 से 200 के बीच जगह बनाई थी जबकि 2018 में 101 से 150 में जगह मिली। इस बार नैक की ग्रेड सुधरने से टॉप 100 में आने की उम्मीद जताई जा रही थी मगर यूनिवर्सिटी को टॉप 200 में भी जगह नहीं मिली। मैनेजमेंट और इंजीनियरिंग श्रेणी में आईआईएम और आईआईटी ने इंदौर की साख बचाई। इंजीनियरिंग में आईआईटी इंदौर 62.88 स्कोर से 10वें स्थान पर रहा जबकि मैनेजमेंट में आईआईएम इंदौर 69.04 स्कोर से 7वें स्थान जगह बनाई। पिछली बार आईआईएम 11वें और आईआईटी 15वें स्थान पर थे। इंजीनियरिंग में ही एसजीएसआईटीएस 201 से 250 के बैंड में जगह बना सका। संकाय के साथ-साथ ओवरऑल परफॉर्मेंस के आधार पर रैंक जारी की गई है। इसमें इंदौर से एकमात्र आईआईटी ने ही जगह बनाते हुए बाजी मारी। ओवरऑल परफॉर्मेंस में आईआईटी इंदौर 55.94 स्कोर के साथ 23वें पायदान पर रहा। आइआइएम इंदौर के डायरेक्टर प्रोफेसर हिमांशु राय ने कहा, वर्ष 2019-20 आइआइएम इंदौर के लिए उपलब्धियों भरा रहा है। इस वर्ष हमें एएमबीए, एएसीएसबी और ईक्यूयूआइएस की मान्यता के साथ 'ट्रिपल क्राउन' भी मिला है। यह वर्ष नई चीजें सीखने, कड़ी मेहनत और नवाचार की यात्रा के सामान रहा है। इसका श्रेय पूरे संस्थान और हर सदस्य को जाता है।

आइबीएमआर टॉप 100 में शामिल

रैंकिंग में आईपीएस अकादमी स्थित आइबीएमआर टॉप 100 में शामिल हुआ है। संस्थान को रैंक बेड 76-100 में स्थान मिला है। संस्था अध्यक्ष अचल चौधरी और निदेशक डॉ. विवेक सिंह कुशवाहा ने संस्थान के शिक्षकों व छात्रों को बधाई दी है। उन्होंने कहा, आइपीएस एकेडमी के आइबीएमआर को बेहतरीन प्लेसमेंट, प्रबंधकीय अनुसंधान पर जोर, आधुनिक टीचिंग-लर्निंग, प्रोफेशनल प्रैक्टिस, उच्च क्वालिटी के शिक्षक, आधुनिक ई-लाइब्रेरी, स्टूडेंट फीडबैक सिस्टम सहित कई अन्य मापदंडों के आधार पर स्थान हासिल हुआ। आइबीएमआर प्रदेश का एकमात्र निजी प्रबंध संस्थान है, जिसने सूची में लगातार चौथी बार स्थान बनाए रखा है।

एसजीएसआइटीएस ने 201-250 रैंक बैंड में बनाया स्थान

सूची में एसजीएसआइटीएस इंदौर को 201- 250 रैंक बैंड में रखा है। 1 से लेकर 200 तक की रैंक बैंड में मप्र से आइआइटी इंदौर, एमएएनआइटी भोपाल, आइआइटीएम जबलपुर और एमआइटीएम ग्वालियर हैं। एसजीआइटीएस के डायरेक्टर आरके सक्सेना ने बताया, संस्थान 201 से लेकर 250 के रैंक बैंड में मप्र से उपरोक्त चारों संस्थाओं को छोड़कर इकलौती संस्था है।

आइआइटी टॉप-10 में शामिल, डेंटल कॉलेज 22वें स्थान पर

आइआइटी इंदौर ने इंजीनियरिंग श्रेणी में 10वीं रैंकिंग हासिल कर शहर का गौरव बढ़ाया है और ओवरऑल कैटेगरी में 23वें स्थान पर हैं। संस्थान ने पिछले वर्ष की अपेक्षा तीन स्थानों का सुधार किया है। संस्थान के निदेशक (कार्यवाहक) प्रो. नीलेश कुमार जैन ने आने वाले समय में फर्स्ट रैंक वाले संस्थान बनने और वैश्विक स्तर पर शीर्ष 100 में आने के लिए कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया।

पहली बार डेंटल को मिली जगह

कॉलेज, फॉर्मेसी, मेडिकल, लॉ, आर्किटेक्चर और डेंटल संकाय की रैंकिंग भी जारी हुई। इनमें एकमात्र डेंटल में इंदौर के गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज को जगह बनाने में सफलता मिली। डेंटल कॉलेज ने 56.08 स्कोर करते हुए 22वां स्थान पाया।